Multidisciplinary National Seminar
on

Globalization , Entrepreneurship and Emerging Trends of New Aspects of Higher Education in India

SOUVENIR

4th-5th April 2024

Organised by

St. Columba's College, Hazaribag

(A Constituent unit of Vinoba bhave University, Hazaribag)

In Collaboration with

IQAC cell
(St. Columba's college, Hazaribag)

In Association with

Vinayam Research Association
(Regd., under MSME) Branch of Institution-Dhanbad, Jharkhand
www.vinayamresearch.in
Email: vinayamorg@gmail.com

Multidisciplinary National Seminar

on

"Globalization, Entrepreneurship and Emerging Trends of New Aspects of Higher Education in India"

4th-5th April 2024

SOUVENIR

Organised by

St. Columba's College, Hazaribag
(IQAC cell)
(A Constituent Unit of Vinoba Bhave University, Hazaribag)

In Association with

Vinayam Research Association
(Regd., under MSME)
Branch of Institution-Dhanbad, Jharkhand
www.vinayamresearch.in
Email : vinayamorg@gmail.com

झारखंड में एनीमिया के बढ़ते स्त्रोत पर चर्चा

Smt. Sushma Kumari
Assistant .Prof. Deptt. of Home Science
S.S.M.S. Degree College, Tarhasi
Registration No: - STCC/VIN/VBU-024-076

एनीमिया क्या है

एनीमिया एक ऐसी स्थिति होती है जिसमे शरीर के अंदर खून की कमी हो जाती है। अगर समय रहते इसका निदान न किया जाए तो यह गंभीर रूप ले सकता है। इसिलए जरूरी ह कि आपको एनीमिया, उसके लक्षण व कारणों के बारे में पूरी जानकारी हो। साथ ही यह भी पता हो कि ऐसी कौन–सी चीजें हैं,

एनीमिया के लक्षण

सबसे पहले तो यह जानने की जरूरत है कि किन लोगों को एनीमिया आसानी से अपनी गिरफ्त में ले सकता है। ऐसे लोग जो लंब समय से किसी बीमारी या इंफेक्शन का शिकार हैं उन्हें एनेमाई आसानी से हो सकता है। एनीमिया के कुछ प्रकार अनुवांशिक होते हैं, लेकिन यह खराब डायट और जीवनशैली की वजह से भी हो सकता है।

झारखंड में 67 प्रितशत बच्चे हैं एिनिमया के शिकार

राज्य की बात करें तो सर्वे के अनुसार, 19 वर्ष तक की 67 प्रितशत किसोरिये एिनिमया के शिकार है। वहीं, लगभग 65 प्रितशत गभर्वती माताओं में खून की कमी है। इन्हीं समस्याओं को दर करने के लिए केंद्र व राज्य सरकार जागरूकता अिभयान चला रही है।

एनीमिया झारखंड की गंभीर समस्या है

झारखंड के 5 जिलों लातेहार, पश्चिमी सिंहभूम, चतरा, सिमडेगा और साहेबगंज में कुपोषण और एनीमिया के खिलाफ राज्य सरकार ने 'समर' नाम का एक हजार दिनों का विशेष अिभयान शुरू किया है. इसके तहत डोर ट डोर सर्वे कर कुपोषित एवं एनीमिया से पीड़ित महिलाओं–बच्चां को चिन्हित कर उन्हें उिचत पोषण एवं उपचार उपलब्ध कराया जाएगा. अिभयान के बाद कुपोषण मुक्त होने वाली पंचायतों को एक–एक लाख रुपए दिए जाएंगे. कुपोषण और एनीमिया झारखंड की गंभीर समस्या है.

इस मामले पर क्या कहना है राज्य सरकार का?

राज्य में कुपोषण और एनीमिया के खिलाफ राज्य सरकार ने पिछले साल से एक हजार दिनों का महाअिभयान शुरू किया था. झारखंड सरकार का कहना है कि केंद्र से मिलने वाली मदद में कटौती के चलते इस अिभयान में बाधा आ रही है. केंद्र प्रायोजित समेकित बाल विकास योजना (आइसीडीएस) के तहत झारखंड में बहाल 10,388 पोषण सिखयों की सेवा बीते एक अप्रैल से समाप्त कर दी गई है. केंद्र के निर्देश पर वर्ष 2015 में राज्य के छह जिले धनबाद, गिरिडीह, दमका, गोड्डा, कोडरमा और चतरा में अितिरक्त आंगनबाड़ी सेविका सह पोषण परामर्शी के रूप में इन पोषण सिखयो की निकयुक्ति हुई थी. इन्हें प्रितमाह तीन हजार रुपये मानदेय दिए जा रहे थे. राज्य की मिहला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री जोबा मांझी का कहना है कि केंद्र ने वर्ष 2017 से इस मद में मानदेय की राशि देनी बंद कर दी है।

Role of Digital Transformation in Adaptation of N.E.P.

Sri Bajrang Kumar Gupta

Dept.of Economics
S.S.M.S. Degree College Tarhasi, Palamu

Registration No: - STCC/VIN/VBU-024-071

N.E.P. aims to reforms and modernize the education system and the use of Digital Technology is a key component Digital education is one of the most talked about topic in modern world today with access to information at our fingertips.
The top Ten Benefits of Digital learning that Student and institution benefits from digital learning.

- Constant Access to Materials
- Facilitates Collaboration
- More Resources
- Better Communication
- Personalized Learning
- Encourages the Development of New Digital Learning Strategies
- Work Preparation
- Building Peer Groups
- Increases Accountability and last
- Student Progress Tracking

The Vision of NEP 2020: Embracing Digital Transformation

- **Improving Access and Equity: -** NEP 2020 recognizes that technology can bridge geographical barriers, enabling students from remote areas to access quality education. By promoting the establishment of digital infrastructure and connectivity in schools and colleges, the policy aims to ensure equitable access to education for all.
- **Enhancing Quality and Relevance : -** Ed. Tech has the potential to make learning more engaging, interactive, and relevant. The policy encourages the use of technology to deliver personalised learning experiences, adaptive assessments, and access to open educational resources (OER) to improve the overall quality of education.
- **Fostering Lifelong Learning : -** The policy advocates leveraging technology to foster innovation and research in education. It encourages the development of educational technology solutions and emphasises the importance of data-driven decision-making to enhance educational outcomes.

  "The Success of NEP Lies in its Implementation and it can only be possible if the institutaion prioritize digital information. "The Success of NEP Lies in its Implementation and it can only be possible if the institutaion prioritize digital information."